nwda.gov.in

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण

जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

(जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग)

National Water Development Agency

Ministry of Jal Shakti, Government of India

(Department of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation)

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

संख्या: 15/5/2020-भोपाल संगोष्ठी /हिन्दी/1332-87 दिनांक : 30/07/2024

विषय: 'जल के अंतरबेसिन अंतरण के लिए अंतर्राज्यीय सहयोग' पर हिन्दी में संगोष्ठी।

जैसा कि आप को ज्ञात है कि राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण प्रत्येक दो वर्ष में तकनीकी विषय पर हिन्दी में एक तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन करता है। इसी क्रम में **'जल के अंतरबेसिन अंतरण के लिए अंतर्राज्यीय सहयोग'** विषय पर भोपाल में 28-29 नवम्बर, 2024 तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

चूंकि यह संगोष्ठी विशुद्ध तकनीकी विषय पर आयोजित की जा रही है और हमारा संगठन इसी क्षेत्र में कार्य भी कर रहा है। इसलिए महानिदेशक महोदय का विशेष निर्देश है कि मुख्य अभियंता उत्तर एवं उनके अंतर्गत सभी सर्किलों, प्रभागों और उपप्रभागों से 15 लेख तथा मुख्य अभियंता दक्षिण एवं उनके अंतर्गत सभी सर्किलों, प्रभागों और उपप्रभागों से 15 लेख एवं मुख्यालय में कार्यरत अभियंताओं को इस संगोष्ठी में अपने-अपने लेख तैयार कर भेजने और स्वयं उपस्थित होकर उसका प्रस्तुतीकरण करने के साथ-साथ उस पर विचार-विमर्श में शामिल होना आवश्यक है। इस संबंध में पत्र संख्या 15/5/2020 भोपाल संगोठी/1656-90 दिनांक 2 जून, 2023 एवं दिनांक 13.07.2023 द्वारा पत्र प्रेषित भी किया जा चुका है।

अपने लेख तथा भागीदारी की सूचना सहायक निदेशक (राजभाषा) को पम्पलेट्स में दिए गए विवरण के अनुसार भेजने का अनुरोध है। विस्तृत विवरण संलग्न पम्प्लेट में उपलब्ध है। भोपाल में संगोष्ठी स्थल की सूचना बाद में दी जाएगी।

संगोष्ठी में आपकी भागीदारी की हमें प्रतीक्षा है ।

सधन्यवाद ।

30/07/2024

(बालेश्वर ठाकुर)

मुख्य अभियंता (मु.)

प्रति संलग्न सूची अनुसार:

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण के सभी कार्यालय

1. मुख्य अभियंता (उ/द.), रा.ज.वि.अ.,लखनऊ/हैदराबाद। **भोपाल कार्यालय को व्यवस्था प्रभार हेतु विशेष अनुरोध के साथ।**
2. सभी अधीक्षक अभियंता, रा.ज.वि.अ.,
3. सभी कार्यपालक अभियंता, रा.ज.वि.अ.,
4. महानिदेशक के वरिष्ठ निजी सचिव

18-20, सामुदायिक केन्द्र, साकेत, नई दिल्ली-110017
दूरभाष: 011-26519164, 26852735 फैक्स: 011-26960841, 26513846
वेबसाइट: www.nwda.gov.in

जल क्रांति अभियान
जल बचत - जल संचय

18-20, Community Centre, Saket, New Delhi-110017
Phone: 011-26519164, 26852735 Fax: 011-26960841, 26513846
Website: www.nwda.gov.in

5. मुख्य अभियंता (मु.), के निजी सचिव
6. निदेशक (तक.)
7. निदेशक (प्रशासन)
8. निदेशक (वित्त)
9. निदेशक (एम.डी.यू.)
10. अधीक्षक अभियंता (द.)
11. अधीक्षक अभियंता (उ)
12. निदेशक (प्रशासन)
13. उपनिदेशक (प्रशा.)
14. कार्यापालक अभियंता (मु.)
15. आर्थिक सलाहकार एवं राजभाषा प्रभारी, जल शक्ति मंत्रालय, नई दिल्ली ।
16. अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली -110066
17. अध्यक्ष, केंद्रीय भू-जल बोर्ड, भू जल भवन, एन.एच.-IV, फरीदाबाद-121001
18. निदेशक, केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र, खड़कवासला, पुणे ।
19. निदेशक, केंद्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधान शाला, एलोफ पाल्मे मार्ग, हौजखास, नई दिल्ली ।
20. निदेशक, केंद्रीय जल विज्ञान संस्थान, जल विज्ञान भवन, रूड़की ।
21. अध्यक्ष, जल एवं विद्युत परामर्शी सेवाएं (भारत)लि., कैलाश बिल्डिंग, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।
22. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय परियोजना निर्माण निगम लि., प्लॉट नं. 67-68, सेक्टर-25, फरीदाबाद-121004
23. मुख्य अभियंता, नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण, 74 सेक्टर-बी, विजय नगर, इंदौर ।
24. सचिव, सरदार सरोवर निर्माण परामर्शी समिति, ए-ब्लॉक, चौथा तल, नर्मदा भवन, इंदिरा एवन्यू, वडोदरा-390001, गुजरात ।
25. महाप्रबंधक, फरक्का बैराज परियोजना, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल फरक्का ।
26. अध्यक्ष, ब्रह्मपुत्र बोर्ड, वशिष्ठ, गुवाहाटी ।
27. सचिव, बाणसागर नियंत्रण बोर्ड, रीवा, मध्य प्रदेश-486001
28. सचिव, बेतवा नदी बोर्ड, नंदपुत्र, झांसी (उ.प्र.)
29. अध्यक्ष, ब्रह्मपुत्र बोर्ड, वशिष्ठ, गुवाहाटी, असम-28
30. महाप्रबंधक, फरक्का बैराज परियोजना, जिला मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल)-742212
31. अध्यक्ष, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना ।
32. अध्यक्ष एवं मुख्य अभियंता, तुंगभद्रा बोर्ड, हैदराबाद ।
33. सदस्य-सचिव, ऊपरी यमुना नदी बोर्ड, नई दिल्ली ।
34. महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली ।
35. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय जल मिशन, नई दिल्ली ।

पंजीकरण प्रपत्र

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण

हिन्दी संगोष्ठी 2024

स्थान: राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, भोपाल

नाम ....
(प्रथम लेखक)

संगठन/कार्यालय/विभाग/मंत्रालय..

....

पता..

पिन कोड: ....

मोबाईल.. ईमेल..

शोध पत्र का शीर्षक (हिन्दी में)..

....

(अंग्रेजी में)..

होटल की आवश्यकता है / नही है।..

भोपाल पहुंचने की तिथि:.. समय..................................

भोपाल से वापसी की तिथि:...................................... समय..................................

सह-लेखक एवं उनका पता
(मोबाईल नम्बर तथा ई-मेल सहित)

2..

3..

4..

तिथि हस्ताक्षर

संगोष्ठी स्थल

संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 28-29 नवम्बर, 2024 को राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, नई दिल्ली द्वारा भोपाल में किया जाएगा।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ - 30 अगस्त, 2024 तक – पूरा लेख प्राप्त करना

प्रतिभागिता

वे सभी वैज्ञानिक, इंजीनियर, पर्यावरणविद प्रबंधक, पारिस्थितिविद, नीति निर्धारक तथा अन्य सरकारी पदाधिकारी, शोधकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता तथा शिक्षाविद् जो जल के क्षेत्र में कार्य कर रहे है, इसमें भाग ले सकते हैं। प्रतिभागिता हेतु सभी प्रतिभागियों को आने-जाने का खर्च स्वयं या उसके संगठन द्वारा ही वहन करना होगा।

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण

भारत सरकार के अपर सचिव के समकक्ष स्तर के महानिदेशक, सोसाइटी के प्रधान कार्यकारी अधिकारी हैं, जो सोसाइटी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों जिनमें तकनीकी, विधिक, प्रशासनिक तथा वित्तीय मामले शामिल हैं, के लिए उत्तरदायी हैं। अभिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में है। मुख्यालय में महानिदेशक, रा.ज.वि.अ. की सहायता के लिए- मुख्य अभियंता (मुख्या.), निदेशक (तक.), निदेशक (वित्त), निदेशक (प्रशा.), निदेशक (एम.ड़ी.यू.) एवं दो अधीक्षण अभियंता हैं। रा.ज.वि.अ. के दो क्षेत्रीय संगठन (उत्तर एवं दक्षिण) हैं, प्रत्येक का प्रमुख मुख्य अभियंता हैं।

संगोष्ठी संरक्षक - महानिदेशक, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण

संगोष्ठी अध्यक्ष -

मुख्य अभियंता (मु./उ./द.), राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (संयुक्त अध्यक्षता)

संगोष्ठी संयोजक - निदेशक (तक.)

तकनीकी एवं परामर्श समिति

- मुख्य अभियंता (द.)/(उ.)
- निदेशक (तक.)
- अधीक्षण अभियंता (उत्तर)
- अधीक्षण अभियंता (दक्षिण)
- विनीता शर्मा, उप निदेशक

पंजीकरण - संगोष्ठी में पंजीकरण हेतु कोई शुल्क नहीं रखा गया है।

ठहरने की व्यवस्था

प्रतिभागियों की व्यवस्था स्थानीय होटलों में की जाएगी। इस मद पर होने वाले खर्च को प्रतिभागियों द्वारा स्वयं या उनके संगठन द्वारा वहन किया जाएगा।

उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र

भारतवर्ष के दीर्घकालिक विकास के संदर्भ में 'जल के अंतरबेसिन अंतरण के लिए अंतर्राज्यीय सहयोग' विषय पर गहन विचार-विमर्श करने तथा इनसे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा-परिचर्चा के बाद इनके बेहतर प्रबंधन के लिए एक कारगर रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण द्वारा भोपाल में संगोष्ठी आयोजित की जा रही है।

यह संगोष्ठी जल की मात्रा, गुणवत्ता, मांग व आपूर्ति, पर्यावरणीय समस्याएं, चक्रवात और मानसून, जैसी प्राकृतिक आपदाओं जनसंख्या वृद्धि, औद्योगीकरण, कुशल कृषि पद्धति आदि के लिए एक ऐसा प्रेरक मंच होगा जहां पर देश के दीर्घकालिक विकास के लिए जलवायु परिवर्तन एवं जल प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा की जाएगी। उपयुक्त एवं बेहतर प्रबंधन तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता एवं स्थान देने के उद्देश्य से इस संगोष्ठी की समूची कार्यवाही हिंदी में आयोजित की जाएगी।

शोध पत्र आमंत्रण

शोध पत्र में शीर्षक लेखकों के नाम, पदनाम पता. ई-मेल एवं फोन नम्बर का उल्लेख स्पष्ट रूप से किया जाए। शोध पत्र (अधिक से अधिक 7 पेज, सिंगल स्पेस) की दो प्रतिया ए-4 आकार के पेपर पर ई-मेल एवं डाक द्वारा भेजी जानी अपेक्षित है।

शोध पत्र की कम्प्यूटर सॉफ्ट कॉपी वर्ड फ़ारमैट में भी भेजी जाए।

ई-मेल : adhindi@rediffmail.com

डाक प्रस्तुति : डॉ. अनिल कुमार द्विवेदी - सहायक निदेशक (राजभाषा)

कमरा संख्या-301, पालिका भवन, नई दिल्ली मोबाईल नं 8447690441

शोध पत्रों का प्रकाशन

सभी लेखों का संकलन एवं संपादन कर स्मारिका के रूप में प्रकाशित करवाकर उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्रति संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर ही प्राप्त होगी।

भोपाल शहर

भारत वर्ष की हृदय स्थली मध्य प्रदेश राज्य के हृदय स्थल भोपाल जिले का गठन वर्ष 1972 में हुआ। भोपाल मध्य प्रदेश का एक जिला है। जिले का मुख्यालय भोपाल है जो राज्य की राजधानी भी है। भोपाल जिले के उत्तर में गुना जिला, उत्तर-पूर्भ में विदिशा जिला, पूरब व दक्षिण-पूर्व में रायसेन जिला, दक्षिण व दक्षिण-पश्चिम में सिहोर जिला तथा उत्तर-पश्चिम में राजगढ़ जिला स्थित है। भोपाल शहर जिले के दक्षिणी भाग में स्थित है। यह जिला भोपाल मण्डल के अन्दर आता है। भोपाल जिले ने अनेकता में एकता की परिकल्पना को साकार किया है। यहाँ सभी धर्म एवं सम्प्रदाय के लोग आपसी सद्भावना एवं भाईचारे से रहते हैं। जिले में ग्रामीण एवं नगरीय संस्कृति के प्रमुख केन्द्र भारत भवन, मानव संग्रहालय, संस्कृति भवन, स्वराज भवन एवं रवीन्द्र सांस्कृतिक भवन आदि हैं। वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु वन विहार भी विकसित किया गया है, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के दुर्लभ वन्य प्राणी हैं। झीलों एवं पहाड़ियों से घिरा यह जिला अपनी प्राकृतिक छटा के लिए प्रसिद्ध है। देश की भव्य औद्योगिक इकाइयों में से एक भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स भोपाल ने जिले को गौरव प्रदान किया है।

यह जिला भूमध्य रेखा से 23.07 से 23.54 उत्तर अक्षांश तथा 77.12 से 77.40 पूर्व देशांश के मध्य स्थित है एवं समुद्र तल से ऊँचाई अधिकतम 505 मीटर एवं न्यूनतम 180 मीटर है। इस जिले की जलवायु रम्य एवं स्वास्थ्यवर्धक है। यह जिला भारत के शुष्क भाग में आता है, जिले की औसत वर्षा 992 मि.मी. है।

भोपाल दिल्ली से 741 किमी, मुंबई से 789 किमी और इंदौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर है। कान्हा, उज्जैन और सांची जैसे पर्यटन स्थल नज़दीक हैं और अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। रेल हवाई एवं बस द्वारा यह शहर पूरे देश से जुड़ा हुआ है।

'जल के अंतरबेसिन अंतरण के लिए अंतर्राज्यीय सहयोग'

विषय पर

हिन्दी में तकनीकी संगोष्ठी 2024

दिनांक : 28-29 नवम्बर ,2024

भोपाल

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण

NATIONAL WATER DEVELOPMENT AGENCY

जलमेव जीवनम्

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण

नई दिल्ली

www.nwda@gov.in